अर्कादी गैदार

अभियान



MINI PROGRESS & MINI RADUGA



चित्र: वेनियामिन लॉसिन



अंग्रेजी: एवगेनी स्पिरिन, संपादन: लारा स्पर, हिंदी: अरविन्द गुप्ता





एक रात, लाल सेना का एक दूत घर पर एक सम्मन लेकर आया. फिर अगली सुबह, पिता ने अपने सोते हुए बेटे अल्को को कसकर चूमा और वो युद्ध के लिए - एक अभियान पर निकल पड़े.

सुबह अल्को को बहुत गुस्सा आया क्योंकि पिता ने उसे नहीं जगाया था. और फिर अल्को ने तुरंत घोषणा कर दी कि वह भी अभियान पर निकलेगा. वह शायद चिल्लाता और रोता. लेकिन जिस बात की कोई उम्मीद नहीं थी, उसकी माँ ने उसे तुरंत अभियान पर जाने की अनुमति दे दी!





यात्रा से पहले ताकत हासिल करने के लिए, अल्को ने बिना किसी हिचकिचाहट के दलिए की एक पूरी प्लेट खा ली और एक गिलास दूध भी पी लिया. फिर वह और मां उसके अभियान के लिए उपकरण तैयार करने में जुट गए. उसकी माँ ने उसके लिए एक पैंट सिली, और अल्को ने फर्श पर बैठकर, गत्ते से कृपाण काटे. और वहीं पर काम करते-करते, उसने मार्चिंग गाने भी सीखे, क्योंकि "जंगल में एक छोटा सा स्प्रूस पैदा हुआ" जैसे गीतों के साथ, सैनिक नहीं मार्च करते हैं. क्योंकि उस बालगीत के शब्द और सुर किसी युद्ध गीत लिए पूरी तरह से अनुपयुक्त थे.

लेकिन तभी माँ के ड्यूटी पर जाने का समय आ गया और उन्होंने बाकी काम कल तक के लिए टाल दिया.

और इस तरह, दिन-ब-दिन अल्को ने अपने अभियान की लंबी यात्रा के लिए तैयारी की. माँ और अल्को ने पैंट, शर्ट, बैनर, झंडे, बुने हुए गर्म मोज़े, दस्ताने सिले. बंदूक और ड्रम के बगल वाली दीवार पर अब लकड़ी के सात कृपाण लटक रहे थे. वैसे वो संख्या बहुत अधिक नहीं थी, क्योंकि किसी ज़ोरदार युद्ध में एक धारदार कृपाण का जीवन किसी सवार से भी कम होता है.

आख़िरकार अब अल्को अपने अभियान पर निकल सकता था. लेकिन तभी भयंकर सर्दी आ गई, और ऐसी ठंड में, निश्चित रूप से, नाक बहने या सर्दी होने में ज्यादा समय नहीं लगता, इसलिए अल्को ने धैर्यपूर्वक गर्म सूरज निकलने की प्रतीक्षा की.



लेकिन फिर कुछ दिनों में सूरज वापिस लौट आया. वसंत ऋतु की बर्फ काली पड़ गई. अब अल्को के अभियान पर जाने का समय आ गया. लेकिन तभी दरवाजे की घंटी बजी.

अभियान से लौट रहे पिता भारी कदमों से घर में घुसे. उनका चेहरा काला पड़ गया था क्योंकि उसने मौसम की मार झेली थी. उनके होंठ फटे गए थे, लेकिन फिर भी उनकी भूरी आँखें प्रसन्न दिख रही थीं.

निस्संदेह, उन्होंने अपनी पत्नी को गले लगाया. और पत्नी ने उन्हें उनकी जीत पर बधाई दी. बेशक, पिता ने अपने बेटे को भी कसकर चूमा. फिर पिता ने अल्को द्वारा अभियान में ले जाने वाले उपकरणों की जांच की. फिर मुस्कुराते हुए, उन्होंने अपने बेटे को उन सभी हथियारों और गोला-बारूद को, सही क्रम में रखने का निर्देश दिया. इस ज़मीन पर अभी और भी कई भारी युद्ध और खतरनाक अभियान होने बाकी थे!

1940







Arkady Gaidar
Campaign
Illustrations by Veniamin Losin.

Translation into English by Evgeny Spirin (Sosnovoborsk, Krasnoyarsk Territory, Russia).
Edited by Lara Spurr (Durham, England).
Layout by Arvind Gupta (Pune, India), Evgeny Spirin.
International project:
"Mini Progress and Mini Raduga"